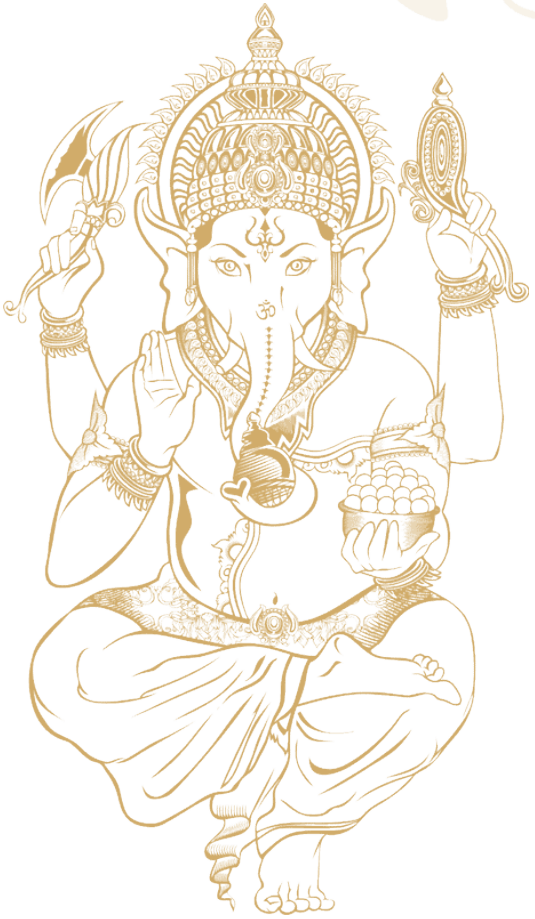

Aadhya

02 Aug 2019

05:00 PM

Gannaur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121113803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/08/2019**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:00:00 घंटे**
इष्ट	28:12:28 घटी
स्थान	**Gannaur**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:38:04 घंटे
वेलान्तर	-00:06:19 घंटे
साम्पातिक काल	13:21:10 घंटे
सूर्योदय	05:43:00 घंटे
सूर्यास्त	19:12:54 घंटे
दिनमान	13:29:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:46:39 कर्क
लग्न के अंश	11:49:08 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीनाक्षी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:49:08	341:43:16	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कर्क	15:46:39	00:57:26	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	04:43:11	15:04:15	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कर्क	25:52:49	00:38:05	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध			मिथु	29:54:38	00:08:12	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	20:30:24	00:01:41	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र		अ	कर्क	12:31:39	01:13:59	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	21:25:08	00:03:49	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु	व		मिथु	23:24:33	00:02:42	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	23:24:33	00:02:42	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मेष	12:27:04	00:00:28	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
नेप	व		कुंभ	24:09:12	00:01:12	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	27:19:03	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			कन्या	27:49:20	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:35

लग्न-चलित

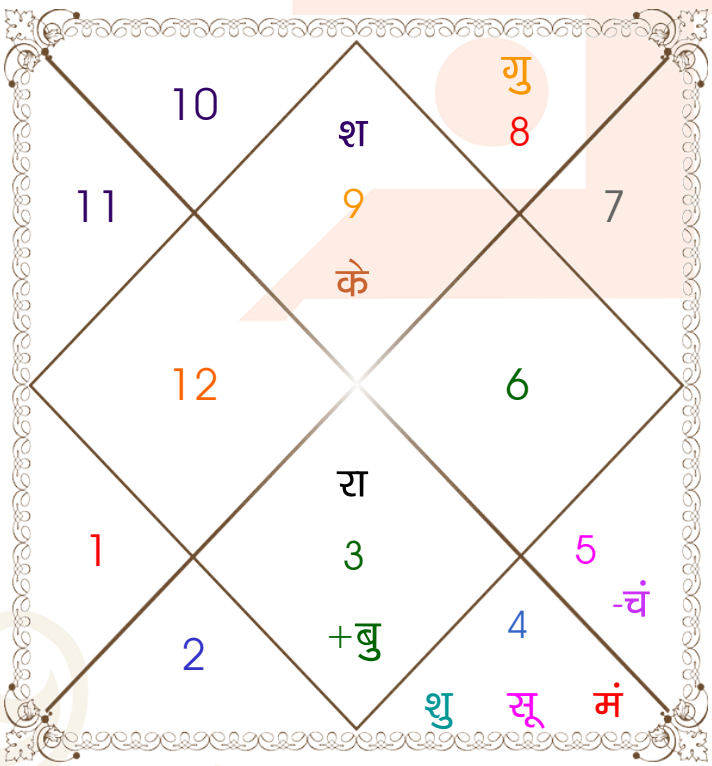

चन्द्र कुंडली

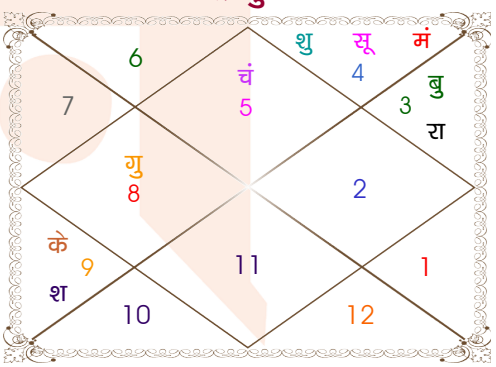

नवमांश कुंडली

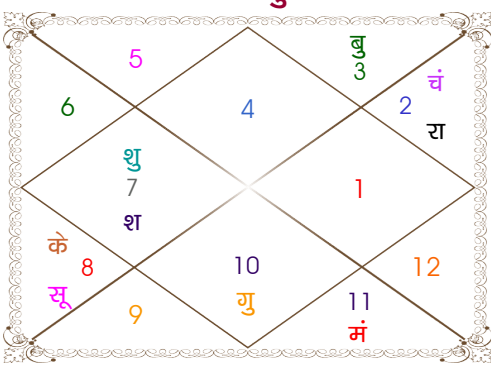

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 6 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/08/2019		09/02/2024		09/02/2044		08/02/2050		09/02/2060	
09/02/2024		09/02/2044		08/02/2050		09/02/2060		09/02/2067	
	00/00/0000	शुक्र	10/06/2027	सूर्य	28/05/2044	चंद्र	10/12/2050	मंगल	07/07/2060
	00/00/0000	सूर्य	10/06/2028	चंद्र	27/11/2044	मंगल	11/07/2051	राहु	26/07/2061
	02/08/2019	चंद्र	08/02/2030	मंगल	04/04/2045	राहु	09/01/2053	गुरु	01/07/2062
चंद्र	13/08/2019	मंगल	11/04/2031	राहु	27/02/2046	गुरु	11/05/2054	शनि	10/08/2063
मंगल	09/01/2020	राहु	10/04/2034	गुरु	16/12/2046	शनि	10/12/2055	बुध	07/08/2064
राहु	27/01/2021	गुरु	09/12/2036	शनि	28/11/2047	बुध	10/05/2057	केतु	03/01/2065
गुरु	03/01/2022	शनि	09/02/2040	बुध	03/10/2048	केतु	10/12/2057	शुक्र	05/03/2066
शनि	12/02/2023	बुध	10/12/2042	केतु	08/02/2049	शुक्र	10/08/2059	सूर्य	11/07/2066
बुध	09/02/2024	केतु	09/02/2044	शुक्र	08/02/2050	सूर्य	09/02/2060	चंद्र	09/02/2067

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/02/2067		08/02/2085		09/02/2101		10/02/2120		09/02/2137	
08/02/2085		09/02/2101		10/02/2120		09/02/2137		00/00/0000	
राहु	22/10/2069	गुरु	29/03/2087	शनि	13/02/2104	बुध	09/07/2122	केतु	08/07/2137
गुरु	16/03/2072	शनि	10/10/2089	बुध	23/10/2106	केतु	06/07/2123	शुक्र	07/09/2138
शनि	21/01/2075	बुध	16/01/2092	केतु	02/12/2107	शुक्र	06/05/2126	सूर्य	13/01/2139
बुध	10/08/2077	केतु	21/12/2092	शुक्र	01/02/2111	सूर्य	12/03/2127	चंद्र	03/08/2139
केतु	28/08/2078	शुक्र	22/08/2095	सूर्य	14/01/2112	चंद्र	11/08/2128		00/00/0000
शुक्र	28/08/2081	सूर्य	10/06/2096	चंद्र	14/08/2113	मंगल	08/08/2129		00/00/0000
सूर्य	23/07/2082	चंद्र	10/10/2097	मंगल	23/09/2114	राहु	25/02/2132		00/00/0000
चंद्र	22/01/2084	मंगल	16/09/2098	राहु	30/07/2117	गुरु	02/06/2134		00/00/0000
मंगल	08/02/2085	राहु	09/02/2101	गुरु	10/02/2120	शनि	09/02/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 6 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।